**Załącznik Nr 3a do Uchwały Nr 681**

**z dnia 7 kwietnia 2020 roku**

**PLAN STUDIÓW**

**KIERUNKU: Teologia**

**W ZAKRESIE: Formacja kapłańska**

**Obowiązuje od cyklu:** 2020 Z

**Poziom studiów:** studia jednolite magisterskie

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 12

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowa/e lub artystyczna/e:**dziedzina nauk teologicznych, dyscyplina naukowa nauki teologiczne, dziedzina nauk społecznych, dyscypliny: pedagogika, psychologia

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 1, semestr: 1** | |  |  |  |  | |  |  | |  | |  | | |  | | |  | | |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | Praktyka | | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 2. – Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wstęp do Katechizmu Kościoła Katolickiego 1 | I | 3 | 0 | Zal-o | | F | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | | |  | | 2 | Współczesny obraz świata 1 | I | 1,5 | 0 | Zal-o | | F | 30 | | 30 | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | 3 | Czytanie Pisma świętego jako słowa Bożego 1 | I | 2 | 0 | Zal-o | | F | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | | |  | | 4 | Wprowadzenie do duchowości 1 | I | 1,5 | 0 | Zal-o | | F | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | | |  | | 5 | Literatura i kod kulturowy 1 | I | 5 | 0 | Zal-o | | F | 90 | | 45 | | 45 | | | 6 | | |  | | |  | | 6 | Wprowadzenie do muzyki kościelnej 1 | I | 1,5 | 1,5 | Zal-o | | F | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | 7 | Historia i tradycje Kościoła lokalnego 1 | I | 1 | 0 | Zal-o | | F | 15 | | 15 | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | 8 | Metodyka uczenia się i pracy z tekstem 1 | I | 0,25 | 0,25 | Zal-o | | F | 6 | | 0 | | 6 | | | 1 | | |  | | |  | | 9 | Kultura języka polskiego 1 | I | 1 | 0 | Zal-o | | F | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 16,75 | 1,75 | X | | X | 276 | | 135 | | 141 | | 19 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 1,75 | 1,75 | X | | X | 36 | | 0 | | 36 | | 3 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 16,75 | 1,75 | X | | X | 276 | | 135 | | 141 | | 19 | | |  | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 1** | | | **16,75** | **1,75** | **X** | | **X** | **276** | | **135** | | **141** | | **19** | | |  | | |  | | | **Rok studiów: 1, semestr: 2** | |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 1 | II | 2 | 2 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 2. – Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wstęp do Katechizmu Kościoła Katolickiego 2 | II | 3 | 0 | Zal-o | F | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | 2 | Współczesny obraz świata 2 | II | 1,5 | 0 | Zal-o | F | | | 30 | | 30 | | 0 | | | 2 | | |  | |  | | 3 | Czytanie Pisma świętego jako słowa Bożego 2 | II | 2 | 0 | Zal-o | F | | | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | |  | | 4 | Wprowadzenie do duchowości 2 | II | 1,5 | 0 | Zal-o | F | | | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | |  | | 5 | Literatura i kod kulturowy 2 | II | 5 | 0 | Zal-o | F | | | 90 | | 45 | | 45 | | | 6 | | |  | |  | | 6 | Wprowadzenie do muzyki kościelnej 2 | II | 1,5 | 1,5 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | 7 | Historia i tradycje Kościoła lokalnego 2 | II | 1 | 0 | Zal-o | F | | | 15 | | 15 | | 0 | | | 1 | | |  | |  | | 8 | Metodyka uczenia się i pracy z tekstem 2 | II | 0,25 | 0,25 | Zal-o | F | | | 6 | | 0 | | 6 | | | 1 | | |  | |  | | 9 | Kultura języka polskiego 2 | II | 1 | 0 | Zal-o | F | | | 15 | | 5 | | 10 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 16,75 | 1,75 | X | X | | | 276 | | 135 | | 141 | | | 19 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 1,75 | 1,75 | X | X | | | 36 | | 0 | | 36 | | | 3 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 16,75 | 1,75 | X | X | | | 276 | | 135 | | 141 | | | 19 | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 2** | | | **18,75** | **3,75** | **X** | **X** | | | **306** | | **135** | | **171** | | | **20** | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku studiów** | | | **35,5** | **5,5** | **X** | **X** | | | **582** | | **270** | | **312** | | | **39** | | |  | |  | | **Rok studiów: 2, semestr: 3** | |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Technologie informacyjno-komunikacyjne | III | 2 | 2 | Zal-o | O | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | 2 | Język obcy 2 | III | 2 | 2 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 4 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 4 | 4 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wstęp do filozofii | III | 2 | 0 | Zal-o | O | | | 30 | | 15 | | 15 | | | 2 | | |  | |  | | 2 | Logika | III | 3 | 0 | Zal-o | O | | | 45 | | 15 | | 30 | | | 3 | | |  | |  | | 3 | Metafizyka | III | 6,5 | 0 | E | O | | | 60 | | 50 | | 10 | | | 4 | | |  | |  | | 4 | Historia filozofii – starożytność i średniowiecze | III | 6,5 | 0 | E | O | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 18 | 0 | X | X | | | 195 | | 110 | | 85 | | | 13 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 1 | III | 3 | 3 | Zal-o | O | | | 45 | | 0 | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – starożytność | III | 2,5 | 0 | E | O | | | 25 | | 15 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 5,5 | 3 | X | X | | | 70 | | 15 | | 55 | | | 5 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 3 | 3 | X | X | | | 45 | | 0 | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Psychologia ogólna | III | 7 | 0 | E | F | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 7 | 0 | X | X | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 7 | 0 | X | X | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 3** | | | **34,5** | **7** | **X** | **X** | | | **385** | | **155** | | **230** | | | **24** | | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  | | **Rok studiów: 2, semestr: 4** | |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 3 | IV | 2 | 2 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | IV | 2 | 0 | Zal-o | F | | | 30 | | 30 | | 0 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 2 | X | X | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia nauki | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | | | 30 | | 20 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | 2 | Historia filozofii – nowożytność i współczesność | IV | 6,5 | 0 | E | O | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | 3 | Teoria poznania | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | | | 30 | | 20 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 10,5 | 0 | X | X | | | 120 | | 70 | | 50 | | | 8 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 2 | IV | 3 | 3 | Zal-o | O | | | 45 | | 0 | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | 2 | Muzyka kościelna – zasady muzyki | IV | 1 | 1 | Zal-o | O | | | 15 | | 0 | | 15 | | | 1 | | |  | |  | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – średniowiecze | IV | 2 | 0 | Zal-o | O | | | 25 | | 15 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6 | 4 | X | X | | | 85 | | 15 | | 70 | | | 6 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 4 | 4 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Psychologia rozwojowa i wychowawcza | IV | 3 | 0 | E | F | | | 30 | | 15 | | 15 | | | 2 | | |  | |  | | 2 | Pedagogika | IV | 5 | 0 | E | F | | | 75 | | 45 | | 30 | | | 5 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 8 | 0 | X | X | | | 105 | | 60 | | 45 | | | 7 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 8 | 0 | X | X | | | 105 | | 60 | | 45 | | | 7 | | |  | |  | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Emisja głosu | IV | 2 | 2 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | **V. – INNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Ergonomia | IV | 0,25 | 0 | Zal. | O | | | 2 | | 2 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | 2 | Ochrona własności intelektualnej | IV | 0,25 | 0 | Zal. | O | | | 2 | | 2 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | 3 | Etykieta | IV | 0,5 | 0 | Zal. | O | | | 4 | | 4 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | 4 | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | IV | 0,5 | 0 | Zal. | O | | | 4 | | 4 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1,5 | 0 | X | X | | | 12 | | 12 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 4** | | | **32** | **8** | **X** | **X** | | | **412** | | **187** | | **225** | | | **25** | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | | | **66,5** | **15** | **X** | **X** | | | **797** | | **342** | | **455** | | | **49** | | |  | |  | | **Rok studiów: 3, semestr: 5** | |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | wykład | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 4 | V | 2 | 2 | E | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | 2 | Wychowanie fizyczne 1 | V | 0 | 0 | Zal-o | O | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 0 | | |  | |  | | 3 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | V | 2 | 0 | Zal-o | F | | | 30 | | 30 | | 0 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | | | 90 | | 30 | | 60 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 4 | 2 | X | X | | | 60 | | 30 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia przyrody i przyrodoznawstwa | V | 6,5 | 0 | E | O | | | 60 | | 45 | | 15 | | | 4 | | |  | |  | | 2 | Filozofia Boga | V | 2 | 0 | Zal-o | O | | | 30 | | 20 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | 3 | Filozofia człowieka | V | 6,5 | 0 | E | O | | | 60 | | 45 | | 15 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 15 | 0 | X | X | | | 150 | | 110 | | 40 | | | 10 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 3 | V | 3 | 3 | Zal-o | O | | | 45 | | 0 | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | 2 | Muzyka kościelna – chorał gregoriański | V | 1 | 1 | Zal-o | O | | | 15 | | 0 | | 15 | | | 1 | | |  | |  | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – nowożytność | V | 2,5 | 0 | E | O | | | 25 | | 15 | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6,5 | 4 | X | X | | | 85 | | 15 | | 70 | | | 6 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 4 | 4 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | | | 0 | | 0 | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język hebrajski | V | 2,5 | 2,5 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | 2 | Język grecki | V | 2,5 | 2,5 | Zal-o | F | | | 30 | | 0 | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 5 | 5 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 5 | 5 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 5 | 5 | X | X | | | 60 | | 0 | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 5** | | | **30,5** | **11** | **X** | **X** | | | **385** | | **155** | | **230** | | | **22** | | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | |  | |  | |  | | |  | | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 3, semestr: 6** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **II. - PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia religii | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Etyka ogólna i stosowana | VI | 5,5 | | 0 | | E | | O | 75 | 30 | 45 | 5 |  |  | | 3 | Filozofia kultury, sztuki i techniki | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 4 | Filozofia społeczno-polityczna | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 11,5 | | 0 | | X | X | 165 | 90 | 75 | 11 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 4 | VI | 3 | | 3 | | Zal-o | | O | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – współczesność | VI | 2,5 | | 0 | | E | | O | 25 | 15 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Muzyka kościelna – tony psalmowe | VI | 1 | | 1 | | Zal-o | | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 4 | Patrologia | VI | 2,5 | | 0 | | E | | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 5 | Wstęp do teologii | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 6 | Wstęp do Pisma świętego z elementami archeologii biblijnej | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 13 | | 4 | | X | X | 205 | 105 | 100 | 14 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 4 | | 4 | | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Podstawy dydaktyki | VI | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 2 | | 0 | | X | X | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 2 | | 0 | | X | X | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 6** | | | | **26,5** | | **4** | | **X** | **X** | **400** | **210** | **190** | **27** |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na III roku studiów** | | | | **57** | | **15** | | **X** | **X** | **785** | **365** | **420** | **49** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 4, semestr: 7** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Socjologia | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 2 | Edukacja medialna | VII | 2 | 2 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 4 | 2 | X | X | 45 | 15 | 30 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pięcioksiąg i księgi historyczne Starego Testamentu | VII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 2 | Sztuka kościelna | VII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 3 | Ewangelie synoptyczne i Dzieje Apostolskie | VII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 4 | Liturgika fundamentalna | VII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 5 | Teologia dogmatyczna - o Bogu Jedynym i w Trójcy Osób | VII | 3 | 0 | Zal-o | O | 40 | 30 | 10 | 3 |  |  | | 6 | Teologia fundamentalna | VII | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 7 | Teologia moralna fundamentalna | VII | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 8 | Katechetyka fundamentalna | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 9 | Prawo kanoniczne – normy ogólne | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 10 | Historia Kościoła w Polsce | VII | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 31 | 0 | X | X | 380 | 310 | 70 | 27 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 7** | | | **35** | **2** | **X** | **X** | **425** | **325** | **100** | **30** |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | **Rok studiów: 4, semestr: 8** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi prorockie Starego Testamentu | VIII | 5,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 2 | Pisma Janowe | VIII | 4,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 3 | Liturgika - rok liturgiczny i liturgia godzin | VIII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna - teologia stworzenia i antropologia teologiczna | VIII | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 5 | Aretologia teologicznomoralna | VIII | 2,5 | 0 | E | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 6 | Katechetyka materialna (dydaktyka nauczania religii) | VIII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 15 | 15 | 2 |  |  | | 7 | Prawo kanoniczne małżeńskie | VIII | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 8 | Religiologia i dialog międzyreligijny | VIII | 3 | 0 | Zal-o | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 9 | Proseminarium | VIII | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 24 | 0 | X | X | 300 | 200 | 100 | 20 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka w zakresie psychologiczno-pedagogicznym | VIII | 2 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Metodyka nauczania religii | VIII | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Muzyka kościelna – obrzędy pogrzebu i dobór pieśni | VIII | 2 | 2 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 8** | | | **30** | **4** | **X** | **X** | **345** | **200** | **145** | **25** | **30** |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na IV roku studiów** | | | **65** | **6** | **X** | **X** | **770** | **525** | **245** | **55** | **30** |  | | **Rok studiów: 5, semestr: 9** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wychowanie fizyczne 2 | IX | 0 | 0 | Zal-o | O | 30 | 0 | 30 | 0 |  |  | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 30 | 30 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 60 | 30 | 30 | 1 |  |  | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi mądrościowe Starego Testamentu | IX | 3,5 | 0 | E | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 2 | „Corpus Paulinum” i pozostałe listy Nowego Testamentu | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 3 | Liturgika – sakramenty | IX | 2 | 1 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna - chrystologia z soteriologią i pneumatologia | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 5 | Chrześcijańska moralność małżeńsko-rodzinna | IX | 3,5 | 0 | E | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 6 | Katechetyka szczegółowa (dydaktyka nauczania religii) | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 7 | Prawo kanoniczne o sakramentach | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 8 | Seminarium naukowe 1 | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 22 | 1 | X | X | 270 | 180 | 90 | 18 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 1 | 1 | X | X | 10 | 0 | 10 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka nauczania religii 1 | IX | 3 | 3 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 – śródroczna | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 3 | 3 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 5 | 3 | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 9** | | | **29** | **4** | **X** | **X** | **375** | **210** | **165** | **22** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 5, semestr: 10** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia i hermeneutyka biblijna | X | 3,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Liturgika – Eucharystia | X | 2 | | 1 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Teologia dogmatyczna – charytologia i eklezjologia z mariologią | X | 3,5 | | 0 | | E | | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 4 | Bioetyka teologiczna | X | 2,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 5 | Moralność życia społecznego | X | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 6 | Ekumenizm | X | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 7 | Katolicka nauka społeczna | X | 4,5 | | 0 | | E | | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  | | 8 | Prawo kanoniczne o ustroju Kościoła | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 9 | Misjologia | X | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 10 | Translatorium | X | 2 | | 2 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 11 | Seminarium naukowe 2 | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 25 | | 3 | | X | X | 305 | 175 | 130 | 21 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 3 | | 3 | | X | X | 40 | 0 | 40 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | 2 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka nauczania religii 2 | X | 3 | | 3 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 – śródroczna | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 5 | | 3 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 3 | | 3 | | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 5 | | 3 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Homiletyka fundamentalna | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 2 | | 0 | | X | X | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 2 | | 0 | | X | X | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 10** | | | | **32** | | **6** | | **X** | **X** | **380** | **205** | **175** | **26** |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na V roku studiów** | | | | **61** | | **10** | | **X** | **X** | **755** | **415** | **340** | **48** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 6, semestr: 11** | |  |  |  |  | |  | |  |  |  |  | |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Liturgika - sakramentalia i pobożność ludowa | XI | 1 | 0 | Zal-o | | O | | 15 | 15 | 0 | 1 | |  |  | | 2 | Prawo kanoniczne osobowe | XI | 2 | 0 | Zal-o | | O | | 20 | 20 | 0 | 2 | |  |  | | 3 | Teologia duchowości | XI | 4,5 | 0 | E | | O | | 60 | 60 | 0 | 4 | |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna – sakramentologia i eschatologia | XI | 4,5 | 0 | E | | O | | 60 | 45 | 15 | 4 | |  |  | | 5 | Seminarium naukowe 3 | XI | 2 | 0 | Zal-o | | F | | 15 | 0 | 15 | 1 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 14 | 0 | X | | X | | 170 | 140 | 30 | 12 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | | X | | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | | X | | 15 | 0 | 15 | 1 | |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pedagogiczno-katechetyczna formacja nauczyciela religii | XI | 1 | 0 | Zal-o | | F | | 15 | 15 | 0 | 1 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1 | 0 | X | | X | | 15 | 15 | 0 | 1 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | | X | | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 1 | 0 | X | | X | | 15 | 15 | 0 | 1 | |  |  | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowanie dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 – ciągła | XI | 4 | 0 | Zal-o | F | | 0 | | 0 | 0 | 3 | 45 | |  | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 – ciągła | XI | 4 | 0 | Zal-o | F | | 0 | | 0 | 0 | 3 | 45 | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 8 | 0 | X | X | | 0 | | 0 | 0 | 6 | 90 | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | | 0 | | 0 | 0 | 0 |  | |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 8 | 0 | X | X | | 0 | | 0 | 0 | 6 | 90 | |  | | **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Homiletyka materialna i formalna | XI | 3 | 1,5 | E | | F | | 30 | 15 | 15 | 2 | |  |  | | 2 | Teologia pastoralna fundamentalna | XI | 1 | 0 | Zal-o | | F | | 15 | 15 | 0 | 1 | |  |  | | 3 | Duszpasterstwo rodzin | XI | 3 | 1,5 | E | | F | | 30 | 15 | 15 | 2 | |  |  | | 4 | Zarządzanie dobrami i prawo wyznaniowe | XI | 2 | 0 | Zal-o | | F | | 30 | 20 | 10 | 2 | |  |  | | 5 | Muzyka kościelna - śpiewy Triduum Paschalnego i diakona | XI | 2 | 2 | Zal-o | | F | | 15 | 0 | 15 | 1 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 11 | 5 | X | | X | | 120 | 65 | 55 | 8 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 5 | 5 | X | | X | | 45 | 0 | 45 | 3 | |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 11 | 5 | X | | X | | 120 | 65 | 55 | 8 | |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 11** | | | **34** | **5** | **X** | | **X** | | **305** | **220** | **85** | **27** | | **90** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 6, semestr: 12** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia dogmatyczna - teologia sakramentu święceń | XII | 2,5 | | 0 | | E | | O | 20 | 10 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Praca dyplomowa i egzamin dyplomowy | XII | 20 | | 0 | | E | | F | 0 | 0 | 0 | 25 |  | 475 | | 3 | Seminarium naukowe 4 | XII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 24,5 | | 0 | | X | X | 35 | 10 | 25 | 28 |  | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 22 | | 0 | | X | X | 15 | 0 | 15 | 26 |  | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 2. Związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Liturgika - liturgiczna posługa diakona | XII | 1 | | 1 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 2 | Teologia pastoralna szczegółowa | XII | 3,5 | | 1 | | E | | F | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 3 | Kierownictwo duchowe | XII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 4 | Penitencja | XII | 5 | | 1 | | E | | F | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 5 | Homiletyka szczegółowa | XII | 3 | | 2 | | E | | F | 30 | 10 | 20 | 3 |  |  | | 6 | Muzyka kościelna - śpiewy mszalne i prawodawstwo z zakresu muzyki kościelnej | XII | 2 | | 1 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 16,5 | | 6 | | X | X | 180 | 100 | 80 | 13 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 6 | | 6 | | X | X | 80 | 0 | 80 | 5 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 16,5 | | 6 | | X | X | 180 | 100 | 80 | 13 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 12** | | | | **41** | | **6** | | **X** | **X** | **215** | **110** | **105** | **41** |  | **475** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na VI roku studiów** | | | | **75** | | **11** | | **X** | **X** | **520** | **330** | **190** | **68** | **90** | **475** |   **I. Przedmioty humanistyczne/społeczne:**  - Afroamerykańskie dzieła kultury: voodoo, jazz, rastafari;  - Animacja kultury studenckiej;  - Literatura w mediach;  - Myślenie i działanie projektowe;  - Źródła społeczeństwa obywatelskiego.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Tabela podsumowująca plan** | | |  |  |  |  |  | |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych  z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | | inne | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | | | 360 | 62,5 | 4209 | 2247 | 1962 | | 308 | 120 | 475 | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 16 | 10 | 300 | 90 | 210 | | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 10 | 10 | 150 | 0 | 150 | | 5 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 14 | 8 | 270 | 90 | 180 | | 7 | 0 | 0 | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 59 | 2 | 675 | 395 | 280 | | 45 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | 30 | 0 | 30 | | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 171,5 | 19 | 1905 | 1165 | 740 | | 157 | 0 | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 19 | 19 | 275 | 0 | 275 | | 19 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 30 | 2 | 90 | 0 | 90 | | 31 | 0 | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 18 | | 0 | 180 | 105 | | 75 | 14 | 30 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 0 | | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 18 | | 0 | 180 | 105 | | 75 | 14 | 30 | 0 | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 4 | | 2 | 60 | 15 | | 45 | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 2 | | 2 | 30 | 0 | | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 4 | | 2 | 60 | 15 | | 45 | 4 | 0 | 0 | | **IV. 1. DN – Przygotowanie dydaktyczne do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 20 | | 8 | 120 | 0 | | 120 | 14 | 90 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 8 | | 8 | 90 | 0 | | 90 | 6 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 20 | | 8 | 120 | 0 | | 120 | 14 | 90 | 0 | | **IV. 2. Grupa treści związanych z przygotowaniem kapłańskim** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 70 | 21,5 | 957 | 465 | 492 | | 66 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 21,5 | 21,5 | 272 | 0 | 272 | | 19 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 70 | 21,5 | 957 | 465 | 492 | | 66 | 0 | 0 | | **V – INNE** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1,5 | 0 | 12 | 12 | 0 | | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  | | **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,**  **w tym zajęcia:** | | **Punkty ECTS** | |  |  |  | |  |  |  | | **Liczba** | **%** |  |  |  | |  |  |  | | **Ogółem - plan studiów** | | | **360** | **100** |  |  |  | |  |  |  | | 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | | 180,68 | 50,19 |  |  |  | |  |  |  | | 2 | z zakresu nauk podstawowych | | 59 | 16,39 |  |  |  | |  |  |  | | 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | | 62,5 | 17,36 |  |  |  | |  |  |  | | 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | | 14 | 3,89 |  |  |  | |  |  |  | | 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | | 156 | 43,33 |  |  |  | |  |  |  | | 6 | wymiar praktyk | | 14 | 3,89 |  |  |  | |  |  |  | | 7 | zajęcia z wychowania fizycznego | | - | - |  |  |  | |  |  |  | | 8 | zajęcia z języka obcego | | 27 | 7,50 |  |  |  | |  |  |  | | 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | | 43,5 | 12,08 |  |  |  | |  |  |  | | 10 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | | 254 | 70,56 |  |  |  | |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  |  | |  |  |  | | **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | | **%** |  |  |  |  | |  |  |  | | 1 | Nauki teologiczne | | 100 |  |  |  |  | |  |  |  | | 2 | Pedagogika | | 7 |  |  |  |  | |  |  |  | | 3 | Psychologia | | 3 |  |  |  |  | |  |  |  | | **Ogółem:** | | | **100** |  |  |  |  | |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |